हिन्दी

स्नातकोत्तरस्तर

जनरलआउटकम

1. विद्याार्थियोंकोहिन्दीसाहित्य एवंभाषा का आधारभूतज्ञानप्राप्तहोगा।
2. साहित्य के मूलभूतस्वरूपतथाविभिन्नविधाओं की जानकारीप्राप्तहोगी।
3. विद्यार्थियोंमेंराष्ट्रीयतातथानैतिकचरित्र की भावना का विकासहोगा।
4. विश्व की सर्वाधिकवैज्ञानिकभाषाअर्थात् हिन्दीमेंरोजगारकौशलप्राप्तहोगा।
5. हिन्दी के राजगारपरकस्वरूपआदि की जानकारीप्राप्तहोगी।
6. हिन्दीभाषा के विकासक्रम की सम्यक् जानकारीप्राप्तहोगी।
7. पत्रकारिता के पाठ्यक्रम के माध्यम से कैरियरबनाने का अवसरप्राप्तहोगा।

सोशलआउटकम

1. हिन्दीसाहित्य के संपूर्णइतिहास से परिचितकराना।
2. प्राचीन एवंपूर्वमध्यकालीनकाव्य एवं उनके प्रमुख कवियों एवंउनकीरचनाओं से परिचितकराना।
3. हिन्दी गद्य की प्रमुख्य विधा नाटक एवंरंगमंच के विकास एवंप्रमुख नाटककार एवं एंकाकीकारों की प्रमुख एंकाकियों एवंनाटकों से परिचितकराना।
4. कार्यालयीहिन्दी के विषय मेंजानकारीदेना।
5. उत्तरमध्यकालीनकाव्य एवंकवियों से परिचितकराना।
6. हिन्दी गद्य की विधा –कहानी एवंउपन्यास से परिचितकरानातथाकथेतर गद्य साहित्य के विषय मेंअवगतकराना।
7. भाषाविज्ञान एवंहिन्दीभाषा के विकासक्रम से परिचितकराना।
8. भारतीय एवंपाश्चात्य काव्यशास्त्र, पत्रकारिता एवंआलोचनाविधा से परिचितकराना।

कोर्सआउटकम

एम0ए0 प्रथमसेमेस्टर

1. हिन्दीसाहित्य के इतिहास से विद्यार्थियोंकोअवगतकराना।
2. प्राचीन एवंपूर्वमध्यकालीनकवियों एवंउनकीप्रमुख रचनाओं से विद्यार्थियोंकोअवगतकराना।
3. हिन्दीसाहित्य की प्रमुख गद्य विधा नाटक एवंरंगमंच के विकास एवंप्रमुख नाटककारों एवं एंकाकीकारों की प्रमुख रचनाओं से अवगतकराना।
4. कार्यालयीहिन्दी की संरचना से परिचितकराना।कार्यालयीहिन्दी के औपचारिकलेखन के स्वरूप से विद्यार्थियोंकोअवगतकराना।

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर

1. उत्तर मध्यकालीनप्रमुख कवियों एवंउनकीप्रमुख रचनाओं से छात्राओकोपरिचितकराना।
2. हिन्दी गद्य साहित्य की कथासाहित्य विधा (उपन्यास एवं कहानी) से परिचितकराना एवंप्रमुख उपन्यासकारों एवंकहानीकारों की कुछप्रमुख उपन्यास एवंकहानियों से अवगतकराना।
3. हिन्दीसाहित्य के प्रमुख विशिष्टरचनाकार 'सूरदास' के विषय मेंसंपूर्णजानकारीदेना एवंउनकीप्रमुख रचना 'सूरसागर' से अवगतकराना।
4. भाषाविज्ञान एवंहिन्दीभाषा की सम्यक् जानकारीदेना एवंहिन्दीभाषा के विकासक्रम से परिचितकराना।

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर

1. हिन्दीसाहित्य के आधुनिककाल के विकास से छात्राओकोपरिचितकराना एवंआधुनिककालकेप्रमुख कवि एवंउनकीप्रमुख रचनाओं से अवगतकराना।
2. काव्यशास्त्र के सिद्धांतो से छात्राओंकोअवगतकराना।भारतीय एवंपाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास से छात्राओंकोपरिचितकराना।
3. हिन्दी के क्षेत्र मेंपत्रकारिता के महत्व एवंरोजगार के रूपमेंपत्रकारिता के महत्व से छात्राओंकोअवगतकराना।

एम0ए0 चतुर्थसेमेस्टर

1. छायावादोत्तरकालीनकाव्यधारा की विभिन्न धाराओं से परिचितकराना एवंप्रमुख कवि एवंउनकीरचनाओं से अवगतकराना।
2. हिन्दीआलोचना के विकास एवंप्रमुख आलोचकों से परिचितकराना।
3. हिन्दीआलोचना के विकास एवंप्रमुख आलोचकों से परिचितकराना।
4. कौरवीलोकसाहित्य आदि से विद्यार्थियोंकोअवगतकराना।

स्नातकस्तरहिन्दी

जनरलआउटकम

1. विद्यार्थियोंकोहिन्दीसाहित्य एवंभाषा का आधारभूतज्ञानप्राप्तहोगा।
2. साहित्य के मूलभूतस्वरूपतथाविभिननविधाओंआदि की जानकारीप्राप्तहोगी।
3. विद्यार्थियोंमेंराष्ट्रीयतातथानैतिकचरित्र की भावना का विकासहोगा।
4. विश्व की सर्वाधिकवैज्ञानिकभाषाअर्थात् हिन्दीमेंरोजगारकौशलप्राप्तहोगा।
5. हिन्दी के रोजगारपरकस्वरूपआदि की जानकारीप्राप्तहोगी।

प्रोग्रामस्पीस्फिकआउटकम्स

1. बी0ए0 प्रथमवर्ष के प्रथमप्रश्नपत्र 'प्राचीन एवं मध्यकालीनकाव्य' के अन्तर्गतभारतीय ज्ञानपरम्पराहिन्दीसाहित्य के प्राचीन एवं मध्यकालीनकाल के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय मेंजानकारीदेनातथाहिन्दीकाव्य के प्राचीन एवं मध्यकालीनइतिहास से परिचय कराकरजानकारीदेना।
2. बी0ए0 प्रथमवर्ष के द्वितीय प्रश्नपत्र 'हिन्दीनाटकऔररंगमंच' के अन्तर्गतविद्यार्थियोंकोनाटक एवं एकांकीविधा का सम्यकज्ञानदेनातथाउन्हेंहिन्दी के प्रतिनिधि नाटककारों के प्रमुख नाटकों एवं एकांकियों से परिचितकरानाजिससेविद्यार्थीइनविधाओं से परिचितहोसकेऔर इस क्षेत्र मेंकैरियरबनाने के इच्छुकविद्यार्थियोंको इस हेतुतैयारकरना।
3. बी0ए0 द्वितीय वर्ष के प्रथमप्रश्नपत्र 'आधुनिकहिन्दीकाव्य' के अन्तर्गतआधुनिककाल के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय मेंजानकारीदेनातथाहिन्दीसाहित्य के द्विवेदी एवंछायावादकाल के इतिहास के विषय मेंअवगतकराना।
4. बी0ए0 द्वितीय वर्ष के द्वितीय प्रश्नपत्र 'हिन्दीकथासाहित्य' के अंतर्गतविद्यार्थियोंकोउपन्यासा एवंकहानीविधा का सम्यक् ज्ञानदेनातथाउन्हेंहिन्दी के प्रमुख उपन्यासों एवंकहानीकारों के प्रमुख उपन्यासों एवंकहानियों से परिचितकराना।
5. बी0ए0 तृतीय वर्ष के प्रथमप्रश्नपत्र 'अद्यतनहिन्दी एवंकौरवीलोककाव्य' के अंतर्गतछायावादोत्तरकालीन एवंअद्यतनकवियों की कविताओ के विषय मेंजानकारीदेनातथाहिन्दीसाहित्य के छायावादोत्तरकाल के इतिहास से परिचितकरानातथाकौरवीलोककाव्य के अंतर्गतभारतीय संस्कृतिमेंजनश्रुति से निर्मितसाहित्य के

महत्वपूर्ण योगदान से परिचितकरानातथालोक–संस्कृति के विकासक्रम से विद्यार्थियोंकोअवगतकराना।

6. बी0ए0 तृतीय वर्ष के द्वितीय प्रश्नपत्र के अंतर्गत 'हिन्दीनिबंध एवंअन्य गद्य विधाएं' के अंतर्गतविद्यार्थियोंकोनिबंध एवं गद्य की अन्य विधाओंजैसेसंस्मरण, रेखाचित्र, रिपोतार्ज, यात्रावृत्तान्तआदि से परिचितकराना एवंइनविधाओं से संबंधितरचनाकारों की रचनाओं से परिचितकराना।

कोर्सआउटकम

बी0ए0 प्रथमवर्ष–

1. भारतीय ज्ञानपरम्परा के अंतर्गतभक्तिकालीन एवं मध्य कालीनकवियों की कविताओं के विषय मेंजानकारीदेनातथाहिन्दीसाहित्य के भक्तिकाल एवंरीतिकाल के इतिहास से परिचितकराना।

2. विद्यार्थियोंकोनाटक एवं एकांकीविधा के विषय मेंअवगतकराना एवंमहत्वपूर्णनाटक एवं एकांकियों से परिचितकराकरनाटक एवं एकांकी के विकास के संबंध मेंमहत्वपूर्णजानकारीदेना।

बी0ए0 द्वितीय वर्ष–

1. हिन्दीसाहित्य के आधुनिककाल के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय मेंजानकारीदेना एवंहिन्दीसाहित्य के आधुनिककाल (भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग एवंछायावाद युग) के इतिहास से परिचितकराना।
2. विद्यार्थियोंकोकथासाहित्य (उपन्यास एवं कहानी) से परिचितकरानातथाउपन्यास एवंकहानीविधा के विकासक्रम से अवगतकरानातथाहिन्दी के प्रमुख उपन्यासकारों एवंकहानीकारों की प्रतिनिधि उपन्यासों एवंकहानियों से परिचितकराना।

बी0ए0 तृतीय वर्ष–

1. हिन्दीसाहित्य के छायावादोत्तर एवंअद्यतनकाल के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय मेंजानकारीदेना एवंहिन्दीसाहित्य के छायावादोत्तरकाल (प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नईकविता एवंसमकालीन कविता) के इतिहास से अवगतकराना।
2. हिन्दीसाहित्य की विभिन्न गद्य विधाओं (निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रावृतान्त, रिपोतार्ज) से परिचितकराना एवंनिबंध एवंअन्य विधाओं से संबंधितरचनाकारों से परिचितकराना।